# सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

## कक्षा 10 – सत्र 2019–20

## प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 13

**निर्धारित समय– 3 घंटे** **अधिकतम अंक – 80**

**सामान्य निर्देशः–**

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

---

## खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**1.** निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें– 1
ग्राम स्तर पर भारत में विद्यमान पंचायती राज व्यवस्था की सर्वोच्च संस्था उच्च न्यायालय है।

**उत्तर** :
ग्राम स्तर पर भारत में विद्यमान पंचायती राज व्यवस्था की सर्वोच्च संस्था **जिला परिषद्** है।

**2.** **18वीं–19वीं शताब्दी के दौरान राष्ट्रीयता की भावना के विकास में संस्कृति ने एक अहम भूमिका निभाई।** एक तर्क के साथ कथन का समर्थन करें। 1

**उत्तर** :
कला, काव्य, कहानियों–किस्सों और संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को गढ़ने और व्यक्त करने में सहयोग दिया।

**3.** निम्नलिखित में से कितने भारतीय व्यापार को महामंदी ने प्रभावित किया– 1
(a) कृषि और किसान प्रभावित हुए।
(b) 1928–1934 के बीच भारतीय आयात और निर्यात आधा हो गया।
(c) किसानों की ऋणग्रस्तता में बढ़ोतरी हुई।
(d) भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में दूर–दूर तक महामंदी फैल गई।

**उत्तर** : (b) 1928–1934 के बीच भारतीय आयात और निर्यात आधा हो गया।

**4.** सबसे अधिक कार्बन वाला सबसे अच्छा कोयला कौन–सा है? 1

**उत्तर** : एन्थ्रेसाइट।

**अथवा**

झारखंड का सिंहभूम जिला कौन से खनिज का अग्रणी उत्पादक है?

**उत्तर** : ताँबा।

**5.** निम्नलिखित में से कौनसा पहलू इस चित्र को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

(a) वीरता और न्याय (b) देशप्रेम और बलिदान
(c) शैक्षिक योग्यता (d) आर्थिक सशक्तता

**उत्तर** : (b) देशप्रेम और बलिदान

**6.** ..... का उद्देश्य वैश्विक सतत् विकास को प्राप्त करना है। 1

**उत्तर** : एजेंडा 21

**7.** निम्नलिखित में से कौन, लोकतंत्र का राजनीतिक पक्ष है? 1

(a) अमीर और गरीब में कोई समानता नहीं होनी चाहिए।

(b) जाति, वंश अथवा धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

(c) नियमित चुनाव होने चाहिए और सत्ता जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के हाथों में होनी चाहिए।

(d) सरकार को संवैधानिक तरीकों से विवादों को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए।

**उत्तर** : (c) नियमित चुनाव होने चाहिए और सत्ता जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के हाथों में होनी चाहिए।

**8.** नीचे दिया गया कार्टून निम्न विकल्पों में से किससे सम्बन्धित है– 1

(a) धर्मनिरपेक्ष शासन (b) जातिगत भेदभाव

(c) रंगभेद की समस्या (d) लैंगिक भेदभाव

**उत्तर** : (a) धर्मनिरपेक्ष शासन

**9.** निम्नलिखित राजनीतिक दलों को उनके स्थापना वर्ष के अनुसार क्रम से व्यवस्थित कीजिए– 1

1. इण्डियन नेशनल काँग्रेस
2. भारतीय जनता पार्टी
3. बहुजन समाज पार्टी
4. कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया

(a) 1–4–2–3 (b) 1–2–3–4

(c) 4–3–2–1 (d) 3–4–2–1

**उत्तर** : (a) 1–4–2–3

**10.** रबी की फसलें कब बोई जाती हैं? 1

(a) अक्टूबर से मध्य दिसंबर (b) नवंबर से मध्य जनवरी

(c) दिसंबर से मध्य फरवरी (d) अप्रैल से मई

**उत्तर** : (a) अक्टूबर से मध्य दिसंबर

**11.** श्रम का लैंगिक विभाजन क्या है? 1

**उत्तर** :

काम के बंटवारे का तरीका जिसमें घर के अंदर के सारे काम परिवार की औरतें या तो स्वयं हाथों से करती हैं या अपनी देख–रेख में करवाती हैं।

**अथवा**

सांप्रादियकता का सबसे कुरूप चेहरा क्या है?

**उत्तर** :

सांप्रदायिकता का सबसे कुरूप चेहरा जातीय हिंसा, दंगा तथा नरसंहार है।

**12.** निम्नलिखित तालिका को सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए– 1

| | **सुव्यवस्थित प्रबन्ध वाले संगठन** | **कुव्यवस्थित प्रबन्ध वाले संगठन** |
|---|---|---|
| सार्वजनिक क्षेत्र | (A)–? | राज्य परिवहन |
| निजी क्षेत्र | रिलायंस इण्डस्ट्रीज | (B)–? |

**उत्तर** :

(A) – दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन

(B) – सत्यम ग्रुप

**13.** एक देश के आर्थिक विकास के मापन की सामान्य विधि कौन–सी है? 1

**उत्तर** : आय।

**अथवा**

विश्व बैंक के आधारों के अनुसार कौन–सा ऐसा आधार है जो देश के विकास को मापता है?

**उत्तर** : प्रति व्यक्ति आय।

**14.** महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने और अपने संविधान निर्माताओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए हमें पंचायतों को अधिकार देने की जरूरत है। पंचायती राज ही वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना करता है। यह सत्ता उन लोगों के हाथों में सौंपता है जिनके हाथों में इसे होना चाहिए। भ्रष्टाचार कम करने और प्रशासनिक कुशलता को बढ़ाने का एक उपाय पंचायतों को अधिकार देना भी है। जब विकास की योजनाओं को बनाने और लागू करने में लोगों की भागीदारी होगी तो इन योजनाओं पर उनका नियंत्रण बढ़ेगा। इससे भ्रष्ट बिचौलियों को खत्म किया जा सकेगा। इस प्रकार पंचायती राज लोकतंत्र की नींव को मजबूत करेगा। 1

ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि यह किस ओर संकेत करती है–

(a) सत्ता का केन्द्रीकरण होना चाहिए

(b) सत्ता की साझेदारी

(c) सांप्रदायिक राजनीति

(d) जन–संघर्ष और आन्दोलन

**उत्तर** : (b) सत्ता की साझेदारी

**15.** भारत में मुद्रा ..... जारी करता है। 1

**उत्तर** : रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया

**अथवा**

सहकारी समितियाँ ..... ऋण स्रोत का उदाहरण हैं।

**उत्तर** : औपचारिक

**16.** विनिवेश का अर्थ बताइए। 1

**उत्तर** :

सार्वजनिक क्षेत्र की पूँजी के एक भाग को निजी क्षेत्र को बेचना।

**अथवा**

**पूँजी की उड़ान** का क्या अर्थ हैं?

**उत्तर** :

एक देश में विदेशी निवेश द्वारा पूँजी निवेश **पूँजी की उड़ान** कहलाता हैं।

**17.** ..... की सरकारी योजना के तहत्, देश का हर गाँव देश के एक प्रमुख शहर की पक्की सड़क से जुड़ा हुआ है। 1

**उत्तर** : प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना

**18.** नगर निगम के प्रमुख को क्या कहते हैं? 1

(a) चेयरमैन (b) मेयर

(c) नगर प्रधान (d) नगर अधीक्षक

**उत्तर** : (b) मेयर

**19.** सूची–I का सूची–II से मिलान करें– 1

| | **सूची–I** | | **सूची–II** |
|---|---|---|---|
| 1. | सूती वस्त्र उद्योग | क | बोकारो |
| 2. | लोहा एवं इस्पात संयंत्र | ख | सिंगरौली |
| 3. | सॉफ्टवेयर टेक्नॉलोजी पार्क | ग | सूरत |
| 4. | तापीय विद्युत संयंत्र | घ | नोएडा |

**उत्तर** : 1–ग, 2–क, 3–घ, 4–ख

**20.** नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

**कथन** (A) : बच्चे पाठकों की एक महत्त्वपूर्ण श्रेणी बन गए।

**कारण** (R) : उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से प्राथमिक शिक्षा अनिवार्य हो गई।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

**उत्तर** : (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

## खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

**21.** भारत में प्रथम विश्वयुद्ध द्वारा उत्पन्न हुई नई आर्थिक व्यवस्था के विषय में कोई तीन तथ्य स्पष्ट कीजिए। 3

**उत्तर** :

विश्वयुद्ध द्वारा उत्पन्न हुई नई आर्थिक व्यवस्था के विषय में तीन तथ्य निम्नलिखित हैं–

1. प्रथम विश्वयुद्ध ने विश्व के साथ–साथ भारत में नई आर्थिक और राजनीतिक स्थितियाँ उत्पन्न कर दी। प्रथम विश्व युद्ध के कारण रक्षा व्यय में भारी वृद्धि हुई। इस खर्चे की भरपाई के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा ऋण लिए गए।
2. ऋणों को चुकाने के लिए भारत में करों में वृद्धि की गई। सीमा शुल्क बढ़ा दिया गया और आयकर लागू किया गया जिसके फलस्वरूप कीमतें तेजी से बढ़ने लगीं। जनसाधारण पर करों का अतिरिक्त भार पड़ने लगा। सन् 1913 से सन् 1919 तक कीमतें लगभग दोगुनी हो गई थी।
3. भारतीयों को पहले ही यह युद्ध अपने ऊपर थोपा हुआ लग रहा था इस पर गाँवों में सिपाहियों की जबरन भर्ती की गई जिससे ग्रामीण इलाकों में व्यापक रोष फैला।

**अथवा**

रॉलेट एक्ट जलियाँवाला बाग हत्याकांड से किस तरह जुड़ा हुआ था?

**उत्तर** :

1. जलियाँवाला बाग हत्याकांड के समय कांग्रेस नेता रॉलेट एक्ट से उत्पन्न सामाजिक उत्पीड़न का उचित उपचार खोजने की चिन्तन मुद्रा में थे।
2. रॉलेट एक्ट के अमानवीय प्रावधानों को लागू करके ही डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल जैसे अहिंसक नेताओं को गिरफ्तार किया गया था।
3. वस्तुतः उक्त एक्ट के अनुपालन में ही जनरल डायर ने प्रत्यायोजित शक्ति का दुरुपयोग किया था।

**22.** मुद्रण युग से पहले की हस्तलिखित पांडुलिपियों की किन्हीं तीन विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 3

**उत्तर** :

प्रिंटिंग से पूर्व हस्तलिखित पांडुलिपियाँ ही एकमात्र ऐसा साधन थी जिनका प्रयोग लैखिक संचार के लिए किया जाता था। इन्हें बनाना, संभालना, सर्कुलेट आदि करना आसान नहीं था।

**हस्तलिखित पांडुलिपियों की मुख्य विशेषताएँ**

1. पांडुलिपियाँ अत्यधिक महंगी और खर्चीली होती थी। इन्हें एक–एक करके लिखने में अत्यधिक समय खर्च होता था।
2. इनके लाने, ले जाने और रखरखाव में तमाम मुश्किलें थी।
3. लिपियों के अलग–अलग तरीके से लिखे जाने के चलते उन्हें पढ़ना भी आसान नहीं था।
4. पांडुलिपियों का व्यापक दैनिक इस्तेमाल नहीं होता था।

**अथवा**

चीन में किताब की छपाई संस्कृति की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

**उत्तर** :

1. आरंभ में चीन में हाथ की छपाई द्वारा किताबें तैयार की जाती थी जिसमें स्याही लगी तख्ती पर कागज को रगड़ा जाता था।
2. 16वीं सदी में सिविल सेवा के परिक्षार्थियों की संख्या में वृद्धि के कारण छपी हुई किताबों की मांग बढ़ने लगी।
3. 17वीं सदी में शहरी संस्कृति में विस्तार के कारण एक बार फिर छपी सामग्रियों की मांग में वृद्धि हुई ।
4. 19वीं सदी में पश्चिमी मुद्रण तकनीकी तथा मशीनी प्रेसों का आयात किया गया।

इस तरह चीन धीरे–धीरे हाथ की छपाई से मशीनी मुद्रण की ओर बढ़ चला।

**23.** नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1+1+1=3$

**स्रोत क : संसाधन नियोजन**

संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है। इसलिए भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनो की उपलब्धता में बहुत अधिक विविधता है, यह और भी महत्त्वपूर्ण है। यहाँ ऐसे प्रदेश भी हैं जहाँ एक तरह के संसाधनों की प्रचुरता है, परंतु दूसरे तरह के संसाधनों की कमी है। कुछ ऐसे प्रदेश भी हैं जो संसाधनों की उपलब्धता के संदर्भ में आत्मनिर्भर हैं और कुछ ऐसे भी प्रदेश हैं जहाँ महत्त्वपूर्ण संसाधनों की अत्यधिक कमी है।

**स्रोत ख : भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय**

भूमि एक ऐसा संसाधन है जिसका उपयोग हमारे पूर्वज करते आए हैं तथा भावी पीढ़ी भी इसी भूमि का उपयोग करेगी मानव कार्यकलापों के कारण न केवल भूमि का निम्नीकरण हो रहा है बल्कि भूमि को नुकसान पहुँचाने वाली प्राकृतिक ताकतों को भी बल मिला है।

इस समय भारत में लगभग 13 करोड़ हेक्टेयर भूमि निम्नीकृत है। इसमें से लगभग 28 प्रतिशत भूमि निम्नीकृत वनों के अंतर्गत है, 56 प्रतिशत क्षेत्र जल अपरदित है और शेष क्षेत्र लवणीय और क्षारीय है। कुछ मानव क्रियाओं जैसे वनोन्मूलन, अति पशुचारण, खनन ने भी भूमि के निम्नीकरण में मुख्य भूमिका निभाई है।

**स्रोत ग : संसाधनों का संरक्षण**

गांधी जी ने संसाधनो के संरक्षण पर अपनी चिंता इन शब्दों में व्यक्त की है– हमारे पास हर व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ति के लिए बहुत कुछ है, लेकिन किसी के लालच की संतुष्टि के लिए नहीं। अर्थात् हमारे पास पेट भरने के लिए बहुत है लेकिन पेटी भरने के लिए नहीं। उनके अनुसार विश्व स्तर पर संसाधन ह्रास के लिए लालची और स्वार्थी व्यक्ति तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी की शोषणात्मक प्रवृत्ति जिम्मेदार है। वे अत्यधिक उत्पादन के विरुद्ध थे और इसके स्थान पर अधिक बड़े जनसमुदाय द्वारा उत्पादन के पक्षधर थे।

**स्रोत क : संसाधन नियोजन**

**23.1** "भारत जैसे देश में संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है।" कथन को इससे संबंधित एक उदाहरण के साथ न्यायसंगत ठहराइए। 1

**उत्तर** :

कुछ स्रोत; जैसे– कोयला, पेट्रोल सीमित मात्रा में तथा सीमित समय के लिए उपलब्ध है। ये संसाधन तेजी से समाप्त हो रहे हैं। अतः आवश्यकता है कि हम संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को अपनाएँ।

**स्रोत ख : भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय**

**23.2** भूमि निम्नीकरण की समस्या को सुलझाने के लिये क्या किया जा सकता है। 1

**उत्तर** :

भूमि निम्नीकरण की समस्या को सुलझाने के कई तरीके हैं। वनारोपण और चरागाहों का उचित प्रबंधन इसमें कुछ हद तक मदद कर सकते हैं। पेड़ों की रक्षक मेखला, पशुचारण नियंत्रण और रेतीले टीलों को काँटेदार झाड़ियाँ लगाकर स्थिर बनाने की प्रक्रिया से भी शुष्क क्षेत्रों में भूमि कटाव की रोकथाम की जा सकती है।

**स्रोत ग : संसाधनों का संरक्षण**

**23.3** "भूमि के पास सभी की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए संसाधन हैं परंतु एक भी लालची व्यक्ति की संतुष्टि के लिए नहीं" यह कथन कैसे विकास की चर्चा से संबंधित है? 1

**उत्तर** :

संसाधन किसी भी तरह के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, परंतु संसाधनों के विवेकहीन उपभोग और अति उपयोग के कारण कई सामाजिक–आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। इन समस्याओं से बचाव के लिए विभिन्न स्तरों पर संसाधनों का संरक्षण आवश्यक हैं।

**24.** असंगठित क्षेत्रक से आप क्या समझते हैं? इसकी हानियाँ लिखें। 3

**उत्तर** :

असंगठित क्षेत्रक को अनौपचारिक क्षेत्रक भी कहा जाता है। इस क्षेत्रक के उद्योग सरकारी नियंत्रण से बाहर होते हैं। इस

क्षेत्रक में काम करने वाले कर्मचारियों को अनौपचारिक श्रमिक कहते हैं।

**हानियाँ**–असंगठित क्षेत्रक की निम्नलिखित हानियाँ हैं–

1. इस क्षेत्रक में काम करने वाले श्रमिकों को नौकरी की सुरक्षा प्राप्त नहीं होती।
2. श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ प्राप्त नहीं होते।
3. इस क्षेत्रक में काम करने वाले श्रमिकों का वेतन काफी कम होता है।
4. इस क्षेत्रक के श्रमिक श्रम संघ नहीं बना सकते।

**अथवा**

सार्वजनिक क्षेत्र से यह आशा क्यों की जाती है कि वह कुछ वस्तुओं को उचित लागत पर उपलब्ध करवाएँ?

**उत्तर** :

सार्वजनिक क्षेत्र को कुछ वस्तुएँ उचित लागत/कीमत पर निम्नलिखित कारणों से उपलब्ध करवानी चाहिए–

1. सार्वजनिक क्षेत्र का उद्देश्य केवल लाभ अर्जित करना नहीं है अपितु जनकल्याण तथा सामाजिक लाभ के बारे में विचार करना भी है।
2. कुछ वस्तुओं का उत्पादन करना निजी क्षेत्र की क्षमता के बाहर है क्योंकि उन वस्तुओं के उत्पादन में काफी धन खर्च करने की आवश्यकता होती है जो निजी क्षेत्रकों की क्षमता से बाहर होता है। इन चीज़ों का इस्तेमाल करने वाले हज़ारों लोगों से पैसा एकत्र करना भी आसान नहीं है। फिर, यदि वे चीज़ों को उपलब्ध कराते हैं तो वे इसकी ऊँची कीमत वसूलते हैं। जैसे, सड़कों, पूलों, रेलवे, पत्तनों, बिजली आदि का निर्माण और बाँध आदि से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना। इसीलिए सरकार ऐसे भारी व्यय स्वयं उठाती है और सभी लोगों के लिए इन सुविधाओं को सुनिश्चित करती है।

**25.** अठारहवीं शताब्दी में कुलीन वर्ग, कृषक तथा नए मध्य वर्ग की स्थिति का वर्णन कीजिए। 3

**उत्तर** :

**कुलीन वर्ग की स्थिति**

1. यह वर्ग सबसे अधिक प्रभावशाली था। इसके पास ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति और शहरी हवेलियाँ थी। इनकी एक साझा जीवनशैली थी।
2. यह राजनीतिक कार्यों तथा उच्च वर्गों के बीच फ्रेंच भाषा का प्रयोग करते थे।
3. आपस में वैवाहिक बंधनों में बंधे होते थे।
4. इनकी संख्या कम थी।

**कृषक वर्ग की स्थिति**

1. इनकी संख्या अधिक थी।
2. यह जमीन पर किराएदार या छोटे काश्तकार या भूदास के रूप में काम करते थे।

**नये मध्य वर्ग की स्थिति**

1. औद्योगिक उत्पादन और व्यापार के परिणामस्वरूप नए मध्य वर्ग का उदय हुआ।
2. इनका आकार छोटा था।
3. विशेष अधिकारों की समाप्ति के पश्चात् शिक्षित व उदारवादी मध्य वर्ग में राष्ट्रीय भावना का विकास हुआ।

**26.** भारत के उत्तरी–पूर्वी राज्यों में हवाई यात्रा को क्यों प्राथमिकता दी जाती है? स्पष्ट कीजिए। 3

**उत्तर** :

भारत के उत्तरी–पूर्वी राज्यों में हवाई यात्रा को अन्य परिवहन साधनों की तुलना में अधिक प्राथमिकता दी जाती है। इसके निम्न कारण है–

1. वायु परिवहन देश के लोगों के लिए बहुत महँगा है परन्तु उत्तरी–पूर्वी भाग जहाँ पर दलदल स्थित है, वहाँ पर लोगों को पहुँचने तथा सामान लाने ले जाने में केवल वायु परिवहन ही कारगर साधन है।
2. इस भाग का धरातल कटा–फटा है, अधिक नदियाँ हैं तथा घने वन हैं। यहाँ बाढ़ का प्रकोप हर समय मंडराता रहता है। अतः यहाँ केवल वायु परिवहन ही परिवहन का सर्वोत्तम साधन है। यह साधन इस क्षेत्र के लिए सस्ता साधन है।
3. यह तीव्रगामी है जिससे सरलता से कम समय में गंतव्य स्थान पर पहुँचा जा सकता है।

**27.** रुपये को विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार क्यों किया जाता हैं? समझाइए। 3

**उत्तर** :

रुपये को विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार करने के निम्नलिखित कारण हैं–

1. यह देश की सरकार द्वारा अधिकृत हैं।
2. भारत में भुगतान करने के लिये इसे कानूनी मान्यता प्राप्त हैं। भारत में लेन–देन में इसे स्वीकार करने से मना नहीं किया जा सकता।
3. भारत में प्रत्येक वस्तु या सेवा का मूल्य इसमें मापा जाता हैं।

**अथवा**

ऋण की विकास में महत्त्वपूर्ण और सकारात्मक भूमिका का उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए।

**उत्तर** :

1. विकास में ऋण की भूमिका महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि ऋण के माध्यम से व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं (घरेलू या व्यवसायिक) को पूरा कर सकता हैं।
2. विशेष रूप से औपचारिक स्रोतों से लिए गए ऋण के सकारात्मक प्रभाव होते हैं। इससे व्यक्ति अपनी आय में वृद्धि करने में सफल होता हैं और ठीक समय पर ऋण भी वापस कर देता हैं।

3. इससे व्यक्ति अपना जीवन स्तर सुधार लेता है और उन्नति व विकास करता है।
4. व्यक्ति की आय में वृद्धि से देश के विकास में भी सहायता मिलती है। इस प्रकार विकास में ऋण की महत्त्वपूर्ण भूमिका हैं।

**28.** नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था से क्या तात्पर्य है? 3

**उत्तर** :

देश में कार्यपालिका सत्ता का उपयोग अवश्य करती है, परंतु यह संसद के अधीन कार्य करती है। इसी प्रकार न्यायपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका करती है, परंतु न्यायपालिका ही एकमात्र संस्था है जो कार्यपालिका और विधायिका द्वारा बनाए गए कानून पर अंकुश रखती है। इस व्यवस्था को ही नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था कहते हैं।

## खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

**29.** 19वीं शताब्दी में ब्रिटेन में औद्योगीकरण की गति की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 5

**उत्तर** :

19वीं शताब्दी में ब्रिटेन में औद्योगीकरण की गति की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित थी–

1. **प्रथम चरण के उद्योग–** प्रथम चरण में कपास उद्योग और सूती उद्योगों का विकास हुआ। 1840 के दशक तक कपास उद्योग सबसे बड़ा उद्योग बन चुका था। अगले दो दशकों में इंग्लैंड और उपनिवेशों में रेलवे के विस्तार के कारण लोहा और स्टील उद्योग में उन्नति हुई। 1873 तक ब्रिटेन से लोहे और स्टील के निर्यात का मूल्य 7.7 करोड़ पौंड था। यह राशि इंग्लैंड के कपास निर्यात के मूल्य से दोगुनी थी।
2. **परंपरागत उद्योगों की स्थिति–** औद्योगीकरण परंपरागत उद्योगों को समाप्त नहीं कर सका। 19वीं शताब्दी के अंत में विकसित औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों की संख्या लगभग 20 प्रतिशत थी। अभी भी कपड़ा उद्योग में एक बड़े भाग का उत्पादन घरेलू इकाइयों में होता था।
3. **गैर–मशीनी क्षेत्रों में उन्नति–** खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण, पॉटरी, काँच के काम, चर्म शोधन, फर्नीचर और औजारों के उत्पादन जैसे बहुत सारे गैर–मशीनी क्षेत्रों में जो तरक्की हो रही थी वह मुख्य रूप से साधारण और छोटे–छोटे आविष्कारों का ही परिणाम थी।
4. **नयी तकनीक का महँगा होना–** नयी तकनीक महँगी थी अतः उसका प्रयोग काफी सोच–विचार कर किया जाता था। उनकी मरम्मत भी महँगी थी।
5. **धीमी गति से प्रयोग–** नई तकनीक उनके निर्माताओं के कहे अनुसार नहीं थी। ऐसी परिस्थितियों में उनका प्रयोग धीमी गति से हो रहा था। जिससे औद्योगीकरण की गति तुलनात्मक रूप से धीमी रही। उदाहरण के तौर पर 19वीं सदी के प्रारंभ तक पूरे इंग्लैंड में भाप के सिर्फ 321 इंजन थे। इनमें से 80 इंजन सूती उद्योगों में, 9 ऊन उद्योगों में और बाकी खनन, नहर निर्माण और लौह कार्यों में प्रयोग हो रहे थे। इस प्रकार मजदूरों की उत्पादन क्षमता को कई गुना बढ़ाने की संभावना वाली सबसे शक्तिशाली प्रौद्योगिकी को अपनाने में भी उद्योगपति हिचकिचा रहे थे।

**अथवा**

मशीन उद्योगों के युग से पहले अंतर्राष्ट्रीय कपड़ा बाजार में भारत की स्थिति क्या थी? वर्णन कीजिए।

**उत्तर** :

1. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय कपड़े की काफी माँग थी क्योंकि भारत में पैदा होने वाला कपास महीन (बारीक) किस्म का था। आर्मीनियन और फारसी सौदागर पंजाब से अफगानिस्तान, पूर्वी फारस और मध्य एशिया के रास्ते यहाँ की चीजें लेकर जाते थे। यहाँ के बने महीन कपड़ों के थान ऊँटों की पीठ पर लाद कर पश्चिमोत्तर सीमा से पहाड़ी दर्रों और रेगिस्तानों के पार ले जाए जाते थे।
2. मुख्य पूर्व औपनिवेशिक बंदरगाहों से फलता–फूलता समुद्री व्यापार चलता था। गुजरात के तट पर स्थित सूरत बंदरगाह के जरिए भारत खाड़ी और लाल सागर के बंदरगाहों से जुड़ा हुआ था। कोरोमंडल तट पर मछलीपटनम और बंगाल में हुगली के माध्यम से भी दक्षिणी–पूर्वी एशियाई बंदरगाहों के साथ खूब व्यापार चलता था।
3. भारतीय व्यापारी और बैंकर निर्यात व्यापार में निम्नलिखित प्रकार से सक्रिय थे–
   (a) निर्यात व्यापार के नेटवर्क में कई भारतीय व्यापारी और बैंकर भाग लेते थे।
   (b) वे उत्पादन में पैसा लगाते थे, वस्तुओं को लेकर जाते थे और निर्यातकों तक पहुँचाते थे।
   (c) माल भेजने वाले आपूर्ति सौदागरों के माध्यम से बंदरगाह नगर देश के भीतरी क्षेत्रों से जुड़े हुए थे।
   (d) ये आपूर्ति सौदागर बुनकरों को पेशगी देते थे, बुनकरों से तैयार कपड़ा खरीदते थे और उसे बंदरगाहों तक पहुँचाते थे।

**30.** निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। $1 + 2 + 2 = 5$

नन्नू एक दिहाड़ी मज़दूर है। वह पूर्वी दिल्ली की एक झुग्गी बस्ती वेलकम मज़दूर कॉलोनी में रहता है। उसका राशन कार्ड गुम हो गया और जनवरी 2006 में उसने डुप्लीकेट राशन कार्ड बनाने के लिए अर्ज़ी दी। अगले तीन महीनों तक उसने राशन विभाग के दफ्तर के कई चक्कर लगाए लेकिन वहाँ तैनात किरानी और अधिकारी उसका काम करने या उसके अर्ज़ी की स्थिति बताने की कौन कहे उसको देखने तक के लिये तैयार न थे। आखिरकार उसने सूचना के अधिकार का

उपयोग करते हुए अपनी अर्ज़ी की दैनिक प्रगति का ब्यौरा देने का आवेदन किया। इसके साथ ही उसने इस अर्ज़ी पर काम करने वाले अधिकारियों के नाम और काम न करने की सूरत में उनके खिलाफ़ होने वाली कार्रवाई का ब्यौरा भी माँगा। सूचना के अधिकार वाला आवेदन देने के हफ्ते भर के अंदर खाद्य विभाग का एक इंस्पेक्टर उसके घर आया और उसने नन्नू को बताया कि तुम्हारा राशन कार्ड तैयार है और तुम दफ्तर आकर उसे ले जा सकते हो। अगले दिन जब नन्नू राशन कार्ड लेने गया तो उस इलाके के खाद्य और आपूर्ति विभाग के सबसे बड़े अधिकारी ने गर्मजोशी से उसका स्वागत किया। इस अधिकारी ने उसे चाय की पेशकश की और कहा कि अब आपका काम हो गया है इसलिए सूचना के अधिकार वाला अपना आवेदन आप वापस ले लें।

**30.1** नन्नू ने किस अधिकार का उपयोग किया? और कैसे?

**30.2** नन्नू का उदाहरण क्या बताता है?

**30.3** नन्नू के इस आवेदन का अधिकारियों पर क्या असर हुआ?

**उत्तर** :

**30.1**

उसने सूचना के अधिकार का उपयोग करते हुए अपनी अर्ज़ी की दैनिक प्रगति का ब्यौरा देने का आवेदन किया। इसके साथ ही उसने इस अर्ज़ी पर काम करने वाले अधिकारियों के नाम और काम न करने की सूरत में उनके खिलाफ़ होने वाली कार्रवाई का ब्यौरा भी माँगा।

**30.2**

नन्नू का उदाहरण बताता है कि हर नागरिक को अपने अधिकारों का उचित प्रयोग करना चाहिए। सूचना का अधिकार नागरिकों को दिया गया एक महत्त्वपूर्ण अधिकार है जिसका प्रयोग करके नन्नू जैसा छोटे-से-छोटा व्यक्ति भी न्याय पा सकता है। जब सभी नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहेंगे तथा उनका समय पर उपयोग करेंगे तभी लोकतांत्रिक व्यवस्था ठीक ढंग से काम करेगी।

**30.3**

नन्नू के आवेदन का अधिकारियों पर गहरा असर हुआ और वे एकदम हरकत में आ गए। उन्होंने एक हफ्ते में ही उसका नया राशन कार्ड बना दिया। जिस राशन के दफ्तर में नन्नू की कोई सुनवाई नहीं थी, उस दफ्तर में बड़े अधिकारी उससे मिले तथा पूरा सम्मान दिया और उससे आवेदन वापस लेने का निवेदन भी किया।

**31.** भारत में औद्योगिक प्रदूषण को नियन्त्रित करने के उपायों की व्याख्या कीजिए। 5

**उत्तर** :

विभिन्न प्रकार के प्रदूषण जो उद्योगों से निर्मित होते हैं औद्योगिक प्रदूषण कहलाते हैं। इस प्रकार के प्रदूषण से पर्यावरण प्रदूषित होता है जो आस-पास के निवासियों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इस प्रकार के प्रदूषण से सुरक्षित रहने के लिए हमें निम्न उपाय करने चाहिए-

1. ध्वनि प्रदूषण से बचने के लिए उद्योगों को आवासीय कॉलोनियों से दूर स्थापित करना चाहिए तथा मशीनों को शोर-चूषक युक्त युक्तियों से सुसज्जित परिसरों में स्थापित करना चाहिए।
2. मशीनों से निकलने वाली गैसों को बहुत लम्बी चिमनी द्वारा वायुमण्डल में निष्कासित करना चाहिए। धुएँ को कार्बन शोषित उपकरण से प्रवाहित करके तब उस गैस को चिमनी द्वारा वायुमण्डल में छोड़ना चाहिए।
3. उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषित जल को एक अलग नहर बनाकर उसमें छोड़ना चाहिए जिससे वह पेय जल को प्रदूषित न करे। इस जल को अन्य मशीनों से ठोस प्रदूषण वाले कणों को अलग करके प्राप्त जल को कच्चे जल के रूप में बहने देना चाहिए जिसका उपयोग बाग, वाटिका, पार्क आदि की सिंचाई के रूप में किया जा सके।
4. ठोस अपशिष्टों को एकत्र करके उनका अन्य कार्यों में प्रयोग करना चाहिए। जैसे राख का उपयोग गोबर मिलाकर पुनः जलाने में करना चाहिए।
5. ठोस अपशिष्टों को एकत्र करके उन्हें भूमि के गड्ढों को भरने तथा भूमि-सतह को ऊँचा करने में करना चाहिए।
6. जहाँ तक संभव को हमें ऊर्जा के लिए उसके गैर-परम्परागत स्रोतों का प्रयोग करना चाहिए जैसे- सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा, जल ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा आदि।

**32.** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों का वर्णन कीजिए। 5

**उत्तर** :

**प्रमुख नीतियाँ एवं कार्यक्रम**

1. लोकतंत्र पर आधारित समाजवाद की स्थापना।
2. भारत को धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाए रखना।
3. विदेश नीति में गुट निरपेक्षता की नीति पर चलना।
4. बेरोजगारी को मिटाने के लिए बड़े उद्योगों में उन्नति करना और लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देना।
5. योजनाबद्ध नीति से देश की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना और गरीबी को दूर करना।
6. उपर्युक्त कार्य के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा जारी किए गए 20 सूत्री कार्यक्रम पर अमल करना।
7. दूसरे देशों से विशेषकर पड़ोसी देशों से मित्रतापूर्ण संबंध स्थापित करना तथा पंचशील के सिद्धांतों पर चलना।

**उपलब्धियाँ एवं मूल्यांकन**

1. कांग्रेस पार्टी अपने वैचारिक रूझान में मध्यमार्गी (न वामपंथी न दक्षिणपंथी) है।
2. इस दल ने धर्मनिरपेक्षता और कमजोर वर्गों तथा अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को अपना मुख्य एजेंडा बनाया है।

3. यह दल नई आर्थिक नीतियों का समर्थक है पर इस बात को लेकर भी सचेत है कि इन नीतियों का गरीब और कमजोर वर्गों पर बुरा असर न पड़े।
4. 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक सीटें जीतकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में उभरी।
5. अभी केंद्र में विपक्ष में बैठे संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का नेतृत्व यही दल कर रहा है।

**33.** विदेश व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में किस प्रकार मदद करता है? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 5

**उत्तर :**

विदेश व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में बहुत मददगार सिद्ध हुआ है। सूचना प्रौद्योगिकी और दूर-संचार ने आज विश्व के सभी देशों में बनने वाली चीजों या उत्पादों की जानकारी सार्वभौमिक या आम बना दी है। आज कश्मीर के दूरस्थ क्षेत्र में निवास करने वाला व्यक्ति भी जानता है कि पाश्चात्य देशों में कौन-कौन सी चीजों का उत्पादन होता है। नाना प्रकार के विज्ञापन और विदेशी वस्तुओं के बाजार आज प्रत्येक देश के अहम अंग बन गए है। उदाहरण के लिए,

1. भारत के सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र, कम्प्यूटर उपकरण, लोहा और इस्पात आदि का निर्यात विश्व के लगभग सभी देशों को होने लगा है।
2. कच्चा तेल (पेट्रोलियम), प्राकृतिक तेल तथा औषधियों का विश्व के कोने-कोने से भारत में आयात किया जा रहा है।
3. बाजार की माँग और पूर्ति शक्तियाँ मूल्य निर्धारण कर रही हैं, मानव-श्रम आदि सभी कुछ केवल वस्तु बनकर रह गया है।
4. युगों-युगों से सत्कार का प्रथम प्रतीक समझे जाने वाले जल को भी आज बाजारों में बोतलों में भरकर बेचा जा रहा है। हिमालय की चोटी का गंगा जल आज सुदूर अमेरिका के बाजारों में बिकता हुआ देखा जा सकता है।
5. सजीव और निर्जीव सभी चीजें वाणिज्य (बिकने वाली वस्तु) बन गई हैं।

अतः बाजारों का एकीकरण होना एक सामान्य घटना है।

**अथवा**

वैश्वीकरण भविष्य में जारी रहेगा। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आज से बीस वर्ष बाद विश्व कैसा होगा? अपने उत्तर का कारण दीजिए।

**उत्तर :**

यदि अर्थव्यवस्था तक सीमित यह वैश्वीकरण भविष्य में भी इन्हीं लक्षणों के साथ चलता रहा और मानव के अंतःकरण का वैश्वीकरण (विश्वबंधुत्व की भावना आदि) न हो पाया तो मैं अनुमान लगा सकता हूँ कि बीस वर्ष बाद विश्व में केवल वही लोग जीवित रह पाएँगे जो दूसरों की हत्या, दमन और शोषण करने में सफल रहेंगे। यह डार्विन का सिद्धान्त हैं जो अमेरिका के वर्चस्व और पूँजीवाद के निरंतर बने रहने की दशा में पूरी तरह चरितार्थ हो जाएगा। विकसित देश सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी की तरह ही अपने नए किस्म के उपनिवेश स्थापित करेंगे जैसा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की वर्तमान धूर्त नीतियों और विकासशील देशों की सरकारों पर उनके दबाव और प्रभाव से स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है। अपने इस अनुमान का मैं निम्नलिखित तथ्यों के आधार पर समर्थन करना चाहूँगा-

1. प्रत्येक सरकार उदारीकरण और नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक तथा बाजार नीतियों को अपनाने की कोशिश करेगी।
2. बीस वर्ष के भीतर विश्व की महाशक्तियों, तृतीय विश्व के देशों द्वारा भी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ स्थापित कर ली जाएँगी।
3. सभी विकासशील देश विदेशी पूँजी निवेश को विशेष स्थान देने लगेंगे।
4. तृतीय विश्व के देशों की बौद्धिक संपदा (विशेषज्ञ, विद्वान, तकनीकीविद्) और श्रमिक पाश्चात्य देशों की ओर पलायन कर जाएँगे।
5. सभी देशों के बीच सांस्कृतिक विनिमय होगा तथा लोगों की माँग नई खाद्य वस्तुओं, वस्त्रों, उत्कृष्ट परिवहन तथा संचार साधनों और सूचना प्रौद्योगिकी, मनोविनोद एवं संगीत आदि को पाने की दिशा में बढ़ेगी।
6. इन सभी भौतिक या पदार्थपरक विकास के फलस्वरूप गूढ़ अपराध, जासूसी तथा विधिविरूद्ध कार्य चरम सीमा तक बढ़ेंगे लेकिन इनके समान्तर आगे आने वाले प्रतिरक्षण उपाय मनोरोग, उन्माद और मनोदैहिक रोगों के रूप स्वतः ही विकसित होने लगेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक अपराध के साथ ही अपराधी के सूक्ष्म मन में अपराध-अनुभूति की ग्रंथि बनने लगती है और कालांतर में मनोदैहिक रोग उत्पन्न कर उसका स्वतः विनाश कर देती है।

**34.** निम्न तालिका में दी गई प्रत्येक मद के लिए ज्ञात कीजिए कि कौन-सा देश सबसे ऊपर है और कौन-सा देश सबसे नीचे हैं? 5

वर्ष 2017 के लिए भारत और उसके पड़ोसी देशों के कुछ आँकड़े

| देश | सकल राष्ट्रीय आय प्रति व्यक्ति अमेरिकी डॉलर में (2011 क्रयशक्ति क्षमता) | जन्म के समय संभावित आयु (2017) | विद्यालयी औसत आयु 25 वर्ष या उससे अधिक (2017) | विश्व में मानव विकास सूचकांक (कऊख) का क्रमांक (2016) |
|---|---|---|---|---|
| श्रीलंका | 11,326 | 75.5 | 10.9 | 76 |
| भारत | 6,353 | 68.8 | 6.4 | 130 |
| म्यांमार | 5,567 | 66.7 | 4.9 | 148 |
| पाकिस्तान | 5,331 | 66.6 | 5.2 | 150 |
| नेपाल | 2,471 | 70.6 | 4.9 | 149 |
| बांग्लादेश | 3,677 | 72.8 | 5.8 | 136 |

**उत्तर** :

तालिका विभिन्न मापदंडों के आधार पर दुनिया के विभिन्न देशों को विकास की अलग-अलग श्रेणियों में बाँटती है। इसमें प्रतिव्यक्ति आय, संभावित आयु, विद्यालयी औसत आयु तथा मानव विकास सूचकांक क्रमांक को मापदंड बनाया गया है-

1. प्रतिव्यक्ति आय के आधार पर श्रीलंका सबसे ऊपर तथा नेपाल सबसे नीचे है।
2. जन्म के समय संभावित आयु (जीवन प्रत्याशा) के आधार पर श्रीलंका सबसे ऊपर तथा पाकिस्तान सबसे नीचे है।
3. विद्यालयी औसत आयु के क्षेत्र में भी श्रीलंका सबसे ऊपर तथा नेपाल व म्यांमार संयुक्त रूप से सबसे नीचे है।
4. मानव विकास सूचकांक के क्रमांक में भी श्रीलंका का स्थान विश्व में 76वाँ है जो इस तालिका में दिए गए सभी देशों से ऊपर है तथा पाकिस्तान 150वाँ स्थान लेकर सबसे नीचे है।

## मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

**35.** (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए- 2

(A) वह स्थान, जहाँ सितम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ 22 पुलिसवालों को हिंसक भीड़ द्वारा जला दिया था और इस कारण गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापिस ले लिया था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें- 4

(i) हैदराबाद - राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा

(ii) तारापुर - आण्विक ऊर्जा संयंत्र

(iii) मुम्बई - सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) सेलम - लोहा और इस्पात संयंत्र

(v) गांधीनगर - सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

(vi) न्यू मंगलौर - प्रमुख समुद्री पत्तन

**उत्तर** :

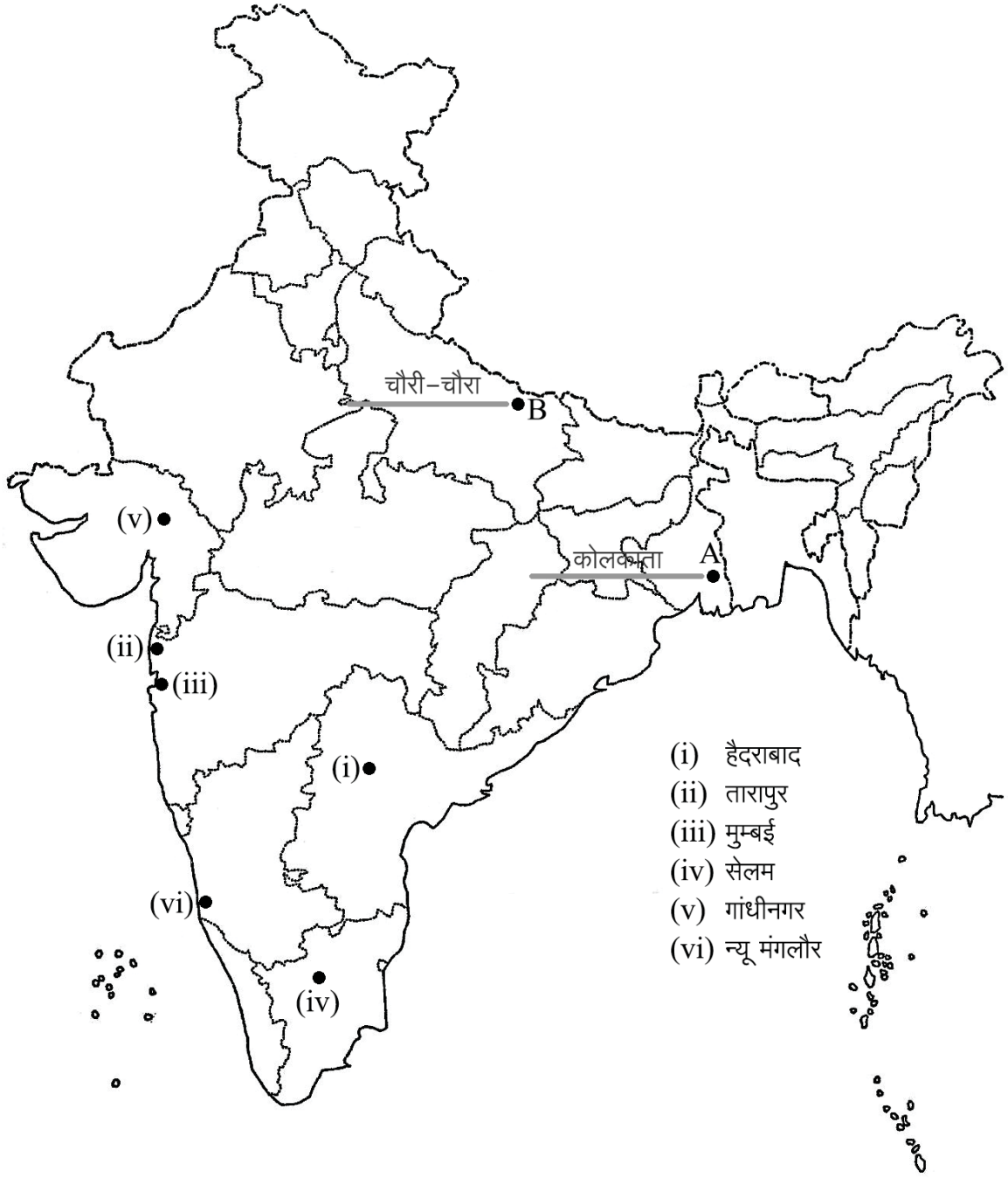


WWW.CBSE.ONLINE
Download Unsolved version of this paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.